

१ॐ नमो श्री गनसानभा ॥ श्री गुरु ज्ञाह्वा ॥ ॐ नमो ध्वस्तुत, आगम
 सिलसिलयुसंगी, श्री प्रीति विद्या, धवसायिदा, नयननर्दद ४ सुलेन
 था, गुप्तन, कर्मनक्ष, नीययुसंगम, कलहृष्यदासा ॥ १ ॥ धूमन आगम
 कृषिगुनिगु, कालागुणुना, हृदगलुगुना, यनागिचाना, हृदयिन
 लागम, कृष्णतथासा, नीतिगलुयिदा ॥ २ ॥ सिंहनरानानि, कय
 कदासा, सित्राकलनाग, ग्रानर्कचनकलुहवानुगनगलुयिदा,
 उद्धृष्टादिनागनागयिदा ॥ ३ ॥ स्वानर्यलार्दिन, यितयिदा,

३ २ १२	१३	१२ ११
१४	१५	१०
१५ १४	१६	१६ १५

३ २ १२	१३	१२ ११
१४	१५	१०
१५ १४	१६	१६ १५

३ २ १२	१३	१२ ११
१४	१५	१०
१५ १४	१६	१६ १५

३ २ १२	१३	१२ ११
१४	१५	१०
१५ १४	१६	१६ १५

१ स्ववाक्कुल मंसनस्य २ हिगुलि मंसनस २ वरुच मंसवि ४ कूनमंस
 दा १ वैमपाचन मंस ४ उवाचमंसदा १ लंडवसदाग्ननाम ॥ मुख
 आगनास ॥ मुखवागकव ॥ ॥ चनकरा युन १ ॐ बुद्धवयुका
 गुठगु युगगुलाठ युग वैसुलि यु १ गुकराथी युग सिवीय १
 यियनामन युग गुठी युग कून युग वैजया यु १ वाल १ जूसा १ थ
 नकावलरवकावर्द ३ वानुनियलदयय १० धनितियनदयय १०
 स्वयु १० मुंचयनया १ x यियिलियुया १ x गुठी युया १ x द

न लायुया १ x ज्वलला १ x वरुचयुया १ x ॐ मुनियु १ नील यु
 १ रुनीनयु १ ठावुनकोव धनकावधीचूननशुमं हियाव लमठ
 चिन कल्याणकन ठावुनविधि ॥ ॥ स धर्मस २ यीमनीमंस २
 ज्ञानभाठमंस २ गुठीमंस २ रुललमंस २ साभमंस २ लनूलसमंस २
 यमसरवानमंस २ हिदमंसन २ काकलीयवगकायाव मंस ल्यायमान
 मानक गहनीरावनास ॥ ॥ गालिसमंस १ सिविमंस १ सनचसं १
 गुठिमंस ५ यियलिमंस १ वैसलाचनमंस ३ ववैलाचमंस २ चनामंस

१ भायूदग्गमखल कर्ष १ मीसम धनचूनयाव कस्मिनवावावनक
 (खास) कास (दवगिनास) ॥ सद्दसमखेती सुकमान (मीमिनाक)
 ठंमनि रुकील ठंछीमीदि समहागे कर्षचि सथयुक्की १ रु
 नठि १ सादुदयुक्की १ लैरवयुक्की १ वदान काससंथान मिखागक
 कलरु ठंवे ॥ ॥ रुनठ रुमल सधु मिचकसि कव निम्ब
 ठंछिमिदि पिससधाय नरवकन १ सादुदयुक्की १ चकनयनस १
 धन भनवदानयाय ददयागनववनास ॥ ॥ शुधि कसुन

खयन (गमय) चयकमल शानासानि कादुगन धनसमहागे
 कस्मिसखन रुनिचिदावनक नियककृभा मिताहाव यलन
 ककुनास ॥ ॥ रुनठ ज्वन वयलसि मिचकस कादुगुहा
 मसु पुनुगव चिपखयन समहागे चूनयादाव लैरवसभव चान
 सयादुदसंभव कासगादान चक मिहननास ॥ ॥ सधुव कन
 धननवान मागसलयन वंधनायनास ॥ ॥ दाव कालेसिव न
 यात कलसनास ॥ ॥ शु० १ शकन समहागे काथदायाव

भावाव, विधानवदकाभावनवनानिव ॥ ॥ निवेयारुन, वला, ध्व
 उक्ताकनरा, समलाग, लखनव, स्वधीवदीयाव, धान, भसया, सा
 या, द्यालगुदाव, मदयक ॥ ॥ खरुलसि, विधिचिर्मस ६ सावतम
 सव ६ शुथी, मलच, इलानैर, यागक, ठंठ्ठीमिलि, शुक्कमाजर्मस
 व ६ कसिन वा नावनसी, वागयिगनास ॥ ॥ गात्रिसर्मसस्य श्वेष
 लावनर्मसस्य २ चयकगालर्मसस्य २ जि चर्मसस्य २ नवदे लाचर्मसस्य २
 शुक्कमा लर्मसस्य २ यागकर्मसस्य २ धननवकि, सावतलवकिव, वाग

यिरुयाचचिकल, जर्मिकलशठ्ठेव ॥ ॥ रुकरीन, लमनज, चीक
 नास ॥ ॥ यमसुवात, शु ० चूनयादाव, धनसीवालावनय, जर्मि
 मरुया, जर्मिर्म ७ या, जर्मिधललपुशव ॥ ॥ सुधचून, कुदा
 व, सुधकाथदायामिस, धनमान, जर्मिर्मदया, जर्मिवाधलपिब ॥
 चलायानासुप्रलि, धमधालसया नासुप्रनि, ननालकुना, चालसयादू
 दसरायावमानक, किनकालनास ॥ ॥ वाल, धीमवगु, नकचै
 नदन, काथवासनरु, समलाग, लखसदियाव, भावसयाय, द्यासमचा

ॐ व ॥ ॥ शुभं मनच पीयिली रुचद जाम्बल वयलसि
 मसे विदिग्ध गुदगु चगकहा यलाउ पीयिलामुनि सिधि अत्र
 खान धवदाल सगुनस यस्क नामून सयी काखगहा रुचदि मिच
 कसि बालची खवाकल यमसडाव न सुध गकयिपिनि शुक्रम्या
 न युगिक मसया १५ धात्र गुगुनिकव २ खून धगुलिया नाम
 सकाविंसनि धाय धगुगुनिखदानसी उपदेसन लिंगमयाल
 देनसन ककुव लसन नास ॥ लिंग ॥ ॥ मनच विपिलि सूरी

जिन रुचठ कंचवान लमदभाहन कसून ॐ मुनि ॐ विमि
 दि कं ० गिलि यस्क नामून धर्ग समशा गका कदास भानक रयम
 दनास ॥ ॥ ज्ञानसर्मसक्ति १ ज्वलमसक्ति १ रुचठमसक्ति १ यद
 नठमसक्ति १ गुठ गुर्मसक्ति १ वादूमसक्ति १ निवर्मसक्ति १ यवगमानहा
 मसक्ति १ चूनयादान काचक भानक पिग प्रवसनास ॥ ॥ हाक
 किनमस २ गुठ गुर्मस २ यवठामस २ ॐ मुनिमस २ धालनक क
 यूनवान उसफवासन कयूनवान नास ॥ ॥ जुरिलहा दगु

छालहा, मनाथी, शानवासाक, रुकजिल, नाहा, सावाकन, ठंठि सि
दि, साषूद, पादनवान, गुनिका नास ॥ ॥ शाकयतु, गुगुल
कूथान, काचकदान, सथाने सा लद ठंठ व ॥ ॥ मनूष्या, क
या लकास, लखनचा लावयाय, यासिमादया लाद ॥ ॥ यिथिनि
जालस, लवलाच, गुकमान, दूला नम, कर्क सिहन, यूकलामूल
मलच, मूससारव ल, कनायादथ क सिनवा नावनक, वाग थिरु नासई
ठंठ व ॥ ॥ गानिस, वीसलाचन, श्रीरव नु, मिठिसि, उस्वहा, ज्ञा

दस, साखलावकि, दासलवकी, वा नाव, नय, मीसधाल, कासिहाव
नास ॥ ॥ सधू, मीस १ ठंठ मून, मीस १ जूरुभाद मीस १ गुथी मीस १
रु लनमीस १ सास मीस १ गनु लसि मीस १ यमसखा लमीस १ हिद मीस १
काखलीषस खायाव मीस खायामानमान, गरु निनाम ॥ ॥ मूस
न, सावानस, गानक, समरु वृष नास ठंठ व ॥ ॥ रुलल, मिच
कसि, थाल, जकयान याददस, दिसयाय, वनह, नास ठंठ व ॥ ॥
छाना, हामनधकन, वून, धरकनन, नूमकाव, याय, हिदवदव

भक्तानि सद्धव ॥ ॥ लभय, लावय, आनावयाय, सुमादयानाद ॥ ॥
 पूर्वदल, ज्यामार्ग, धनगायाक गायागिन, आनिसर्थदान, यादान,
 नाकाल, सद्धवशानि गृह्यवाक्कीनद्धव ॥ ॥ काथान, हासन, आना
 व, चकननयालाव, दवयालुसिद्धयदाव, मगाचाद ध्यायदाव, स्व
 शदाननि कियारु, हासवव चर्क कायाव, धयकनकायाव, द्रसयाग
 सथादान, द्रसद्वन, स्याकवाधीद्धव, द्रगद्वन, स्याकवाधीद्धव,
 द्रसनमगावगायव ॥ ॥ वदियालहा, ध्यासी, अरुगललद्र

सगकाठुद्रसनयालचियाव, साद्रन, चिकवनास ॥ ॥ ॥ रवद्रनस, पि
 यिनिमीस ॥ ॥ सोखलमीस ॥ ॥ सु० मलच, द्नालीस, यागक, ०० विमिठि
 शुक्मयालमीस ॥ ॥ कसिनवालाव, नक, वगयिग, नास ॥ ॥ ॥ द्दुका
 लस, का० यथ, उरुलहा, मद्रसियाकव, चकचैनुन, धीवगु, ००
 मिमिठि, मीस, धालदास्यवनक, यिगभावनास ॥ ॥ ॥ साखल, व
 सलाचन, उरुल, लेखयिदिस, यागक, द्नालीस, नूयकगल, शुक्
 म्याव, नवकलाच, धगकेसिनवालावनय, यिगभावनास ॥ ॥

वदन्कर्षकि ॥ कस्मिन्वाचाव, किथिनय, भासाक, थंसाकासा, सस्य
कलानिव ॥ ॥ गात्रिस, वसलावन, ग्रीवणु, मिदिही, उस्त्रहा
ज्वायस, सावल्वकि, आसलवकि, वाचावनय, मसनसधाल,
क्रासिहावनास ॥ ॥ गिरुलामसनस २ केलमसनस २ हाकृतिन
मसनसकालवासमसनस २ धनचूनयादाव, मसकीधालनयानचि
कनास ॥ ॥ शु ०, श्वाकन, समहाग, काकदायावभानक, मि
धानववका, आलवानिव ॥ ॥ यावज्जीवहा, काचिमक्का, नि

व, सधू, धलिगिनदयावदायक, लकवाननासकृयव ॥ ॥
कक्रोगासि, ज्मियस, पियिलि, समहाग, चूनयादाव, कस्मिन्वाचाव
रुयक, सर्वभागनास, चउथी ॥ ॥ दलठ, हामन, सधू, मिचक
सि, कवू, निव, ठ्ठिमिदि, मसस २ धावर्लवकृनस २ सायादद
कलकि ॥ चकनयलसा २ धनचूदाव, याय, दद्वानननासकृ ००
व ॥ ॥ श्वावाधयाकाधान, उयका, ०० विमिलि, चाल, समहा
ग, नैवसदियाव, वूय, याय, वल, रिनिव ॥ ॥ साध, गव

ममिव नायाच्छादावसर्नद्रससथन, द्रसव्याधीदव ॥ ॥ कनवि
 वस्यानद्रुहलः किलस्यानद्रुल, हेसयालद्रुन, ॐ किमिलि, समहाग
 गुनगति, युक्ति, चकनहागशुका, ननक, धमसुदाव, घालसयाय
 नावयके ॥ ॥ यादुसाधीन, जनालय, थगुर्कदियाव, मोनस
 यायोन, गील, गूल, मोलकक, वाद ॥ ॥ दिगरुलव, सायन
 व, न्यान, मलवधभागनासुशुव ॥ थमआषधीविधि ४ ॥ ॥

२ ग्रीवर्द्धय गिनीनभासिद्धि, गुनजुहू ॥ ॥ जनीयक्रकाकाडिक्का
 स्वकर्म्मसमसं विरुचकस, नयगिवसयावाक्कनिसूत्रयामगनिवि
 लैर्धका ॥ ॥ समनयाया, सकरवयार्म, थवद्रसथानड, थव २५ वि, थव
 विरु, जनामिकानक, थमगमयनवैतगशया, स्वजुके, वृयभक, नि
 लवभव, जगिमन, थमवीनमनयनद्रवस ॥ ॥ ॥ लमभाचना
 शुक्न, ॥ लमनिर्जनविराविनानैकदिनयुसला ॥ ॥ स्याद्युम्भश्व
 नदिलकी, यसस सर्वज्ञनेस, स्पवसिरुवैति ॥ ॥ लमभाचन, गुरु

यादिन, क्रि. धर्म, धन, चिन्तितिय, सब भाक वसइ, यि ॥ २ ॥
लम भाचन, यिये गु, मन गिना, नमो यथ, देन च, जका बुद्ध
न, मिशिये सुस्य, वेग लम गितन ॥ ॥ लम भाचन, यिये गु
मन सिन, नूप खान या क गान, धनिस म हा ग, युद्ध या दाव
सिद्धा ग, उल्ल, सब भाक थव व ग इने ॥ २ ॥ संहोग ऊं वि
नक्षत्र नां गत लिफे स शुद्ध सिता कवती ४ त द न भा कित भाचः
नाम ४ सद व द ग ल म पिती कील ४ ॥ गृ गत या त दा, स्या वि

३
उ गियादि, ज न क खान या क या स निरुद्ध न मा स्या, हि वा,
विऊव, वल, गन क, मन साय, ज न न रुय, धूल, मिसान, य
नरव, यथ गने ॥ ॥ ॐ श्री मन गले गु नू ज्ञा क्का, गय द गि
यून द म ति ग न हा किं सिक्का रु न म पु ग थ, हा ना ग, सिद्धि गु
नू ज्ञा क्का ॥ वणी कन ॥ २ ॥ ॐ मा ना गी गु ज्ञ थ व, कि न या
ॐ श्री गे निरु गी सा हा ॥ वणी कने ॥ ॥ ॐ मा हा द व यु सा
द, कान वि ग म थ, का ड ली थ, सयी व द व मा ल व यु क्का न

सागि प्रावेतः जाव जावः कादंत गुणयिदमानस नदिरु
सायकौदवदसकादव ॥ विनदायायायसनाय ॥
ॐ नामानाकागटिदुः खानामानाकागटिदुः धीना
मानाकागटिदुः गुननामानाकागटिदुः ॥ हिमि
यमनु ॥ ॥ ॐ कानकावमहाकान २७ उययाल २५
काहायक्यातिजनावधीयाकादिजाः काहाजोकाजय
वानकिजहाः कानहेनवकि जहासिद्धिगुलजहा ॥ दथा

यय्यावनामदुल ॥ भानयय ॥ कृषडावादाव स्वधान स्वाननय
य ॥ ॥ ॐ काननः दि विवह स्वाहा नागनाययो ॥ ॥

[illegible]

व. शोभनकार्यं मनःलघुः शोभनि नञ् विद्या न नाह न थ न विष्णु देवी दुय
 मयूध न त्रवृद्धि ॥ ८ ॥ धम्मस्मितादव गुभा च सिद्धिः शुक्र थ लोभ विवध
 वंध शोभ न च ष्ट विभा ध न विच लु ना लव ध विव नि कय व न र्व गु ॥ ९ ॥
 वरु ह्य भो लार्ग व ज्व न र्हे न निष्ठ ना वा यि वि न ग दि य न स सा क शु र्गः
 क ना गि लार्ह म म क शु नू व नि क च य द्धि ॥ १० ॥ सूर्य सूर्य च लु क ना गि
 ना ल्ही शोभ व ध नी व गी ना कि ना ह ४ सिद्धि सृ ग्म धा शु र्ग दा ह व नि
 उका द ग म्हा ह व नि ह र्व ॥ ११ ॥ अरु गु ना र्वी यून र्मि य्वा स न्ध

ॐ न्द्र विपदा च नाह न वृद्ध ह र्श हा ग व ल सु लोभ र्वा ना स्मा दि य दा धा वि
 चाल निया ॥ १२ ॥ ॥ उ न मा सूर्या य ॥ षष्ठ ह त्रि य द ग्म म शु र्ग कि
 न न ना ल्ही म का द स च वि रु र्ग यि य मि तु ना ह ४ क्क न य ल्हा ह व रि ग्म नू वि ना
 ग न च सूर्या द दा नि वि पू र्ण ध न मा न हा ग न ॥ शु र्ग ॥ षष्ठ अ व स क न व र्ग
 ल च नू द्धि ग्म ष ना गी ग्म न नू नि य वृ द्धि म हा र्थ ना र्ही न ग्रा र्ही र्ग य स क न वा ध व
 वि यु या र्गी दृ डा ग सा क न न ना च न वि क ना गि ॥ न वि रु ल ॥ १ ॥ उका द
 स च द ग म्हा ह य ष ष मी य्ग मि तु ध का च न व नू लार्ह न क न यु ह र्व स य ना

सनमानशागी, प्रिनिददामिवियूलकसुदवचल्य ॥ ॥ द्विद्वीग्नवनव
यच्छचरुर्थनासा, स्माडागसाकरुननार्थविनासनक ॥ ५ ॥ विदग्धममनम
ननेविवादं, चञ्चकल्लानियूलकसुदवचल्य ॥ ॥ १ ॥ त्रिकादह
चकल्लानियूलकसुदवचल्य, शागध्वनविरुयसम्यदमर्थवृद्धिनिर्हीननीस
वध्ययसूषमरुमक, कल्यानमीतुधनधनसुखचक्रयोतु ॥ ॥ सका
कृयच्छनेवरुत्तचक्रविलीन, स्मातदन्नरुत्तनिगनसूचीनंदेदति ॥ ॥ वागाः
र्थभागवधीनाष्टवमग्नीदाह, भादेखवगकनविद्युक्कनकशोभ ॥ ॥ मंग

नरुन ॥ २ ॥ सोमदिगियचकल वसयमरु ॥ एकादशदशमगच्छक
 भानिवृद्धि ॥ साम्प्रार्थमिगुसूराकसुगुयदय ॥ स्थानागलवृद्धि ॥ नमर्थजनय
 यक्षा ॥ गुरु ॥ ज्योतिरुनियनवसकृतधायिषवी ॥ मरुगभागभाधना
 त्मजउग्रसाक ॥ ज्योतिमगिनरुयमर्थकनीविवाद ॥ विसृष्टययूनूदवया
 श्वकभानिनिर्ही ॥ वृद्धकल ॥ ५ ॥ एकादशाद्विनवयचमसयमरु
 ४ ॥ गुरुगुनूविर्वीधनेलधनेयुशागु ॥ वृद्धिनययियसूभायचयकभानि
 धर्मार्थकामविरुवायिदिमानशागभन ॥ गुरु ॥ ॥ वृद्धकलदशदश

गिचगर्थकम् नासाचननविविधकार्येणार्थरूपाणि संस्कानागनचवियदा
गमनयुवासीं संगायभागेणयवियुयगाच्छक्योन् ॥ गुरुतुल ॥ १ ॥
नुकादियच्छक्यनाष्टनवगिनन, स्वेकादिदसषु गुरुदशसुदवगुक्
नक्योन् गुरुगुचिनकाच्छनवमुनाह, समानदानविविधसयभायशास्त्रा
॥ गुरु ॥ ॥ गुरुगुचननदगमसयसयस्यनासा, क्योन् ननाकनदव
मुधनयनासी नवृद्धिविनासयनीगायनचिरुविद्य, गुरीविद्यार्तनचभाग
विवादवली ॥ गुरुतुल ॥ ७ ॥ नुकादसाथदगमगुरुगियषसु

सोनियमार्थमविनासमपियुक्क्योन् नस्कानदनायसयमधीकच्छलाह
वृद्धिवनामयचयच्छसुवच्छक्योन् ॥ रि ॥ ॥ कलच्छयच्छनवस
द्विचगर्थनासा, स्याच्छमासगतिचानवसनगच्छन नसोनिकूटस्यव
लनलयमर्थनासक्योन् ननासागतवन्धुविद्यागेद् ४२४ ॥ सोनिरु
ले ॥ १ ॥ नुकादसगगितवसागसह गियषस्यनासाचनरुलमिदस
ददगिल्लाह नज्जुह्यायितकगिरुवधनधन्यलार्ह स्कानानिवृद्धि
विहताथसुर्ववहनि ॥ गुरु ॥ ॥ स्याद्वियच्छदगमासुनवदि

वम नादुचलेचन लकलमथनिक र्यात ॥ अजीनामनियवृद्धि
स्वमथनास भागवासगमनमलनचक्रयोन ॥ **नादुचन** ॥ ५ ॥ किन्
हृगियगुहकृत्यरिषष नासा ४ चकोदगुकेविरुयेयुददामिननी
निहीशुवर्ष सुहिनावनन्यलाह क्योनसदाखननवाढवसंयु
थागम ४ ॥ **शुह** ॥ ॥ रुतद्वियचनवमाहिचनर्थनासा सफाकम
वदसमचक्रकभानियिदा ॥ व्याधियु **वृद्धि** नियुतायसयासमव न
वमनीचमलनानिहरीचक्रभा ४ ॥ **कनरुत** ॥ ५ ॥ **वृद्धि** नव

ग्रहगुहागुहग्रहगमचलसमार्क ॥ ॥ ॥ रुतमासि
नवरुतमहद धनवरुतमदिवमविकानयत् ॥ अद्यगहृदहिर् ४ सग
स्य अकमासिनयया ॥ ॥ रुतमास नक्रगुगुगमठनाच रुतनक्रगु
रुनदित अकमास धनक्रकयुगयाकार्यगान ॥ ॥ **कलीका**
मयमेशाधोयुवदकिनयग्यमा ४ ॥ उतनाचधधिकदो सकसकयुकि
किता ४ वायवाग्नयमाकनो यमदलुननैययन ॥ यनेबलीययि
खानू कागुका लचम ह्यदा ॥ ॥ मकनसकसनिमेषयवह्यामलन

लसहमिनक्रीलयनचधनवृषविष्ठीकमलथनामो, सलनकनानिग
 कवलाकथाग ४॥ कानकखय ॥ वृषभूतयासहकनयनन, सकुमिथ
 भवननाकमिन ५ कर्कटधनखावृषिकमया, सूधनयिगीषदायूकाग ॥
 वृ० ॥ म० मि ॥ सि० मी ॥ कू० ध ॥ वि० भ ॥ थनगुरु ॥ ॥ कर्कटवृषी
 कमिनकविष्ठा, भव, सिंह, धन, कृत्रियप्राका ४॥ कम्, तुल, थन
 लय, वेण्ण ॥ वृष, कन्या, सकना, दयगुडा ॥ ॥ ॥ कर्कट
 विष्ठा, मिन, उरु ॥ ॥ भव, सिंह, धन, कृत्रि ॥ ॥ कम्

गुनाधन, समथ, वेण्ण ॥ ॥ वृषकन
 सकनादय, सुडा ॥ ॥

वृष	कन्या	सकु	सिंह	कर्कट	विष्ठा	मिगुयजक ॥ गुरु ॥
तुल	कम्	मिथून	मिन	धन	भव	
सिंह	भव	गुरु	कर्कट	धन	मिथून	गुरुयजक ॥ ॥
सकु	कन्या	मिन	कम्	वृष	विष्ठा	

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कृष्णाय नमः



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दिदिनेचतुसागिदू, दशयैचचनदिक
वैष्णवाविमार्स, मार्ससागदशक
गुनैरादशासाग, वीणमार्सगनेष
नानाहविगतिमासाग, नासिनाचन
भवच ॥ ॥ ॥ ग्रहबीक ॥ ॥

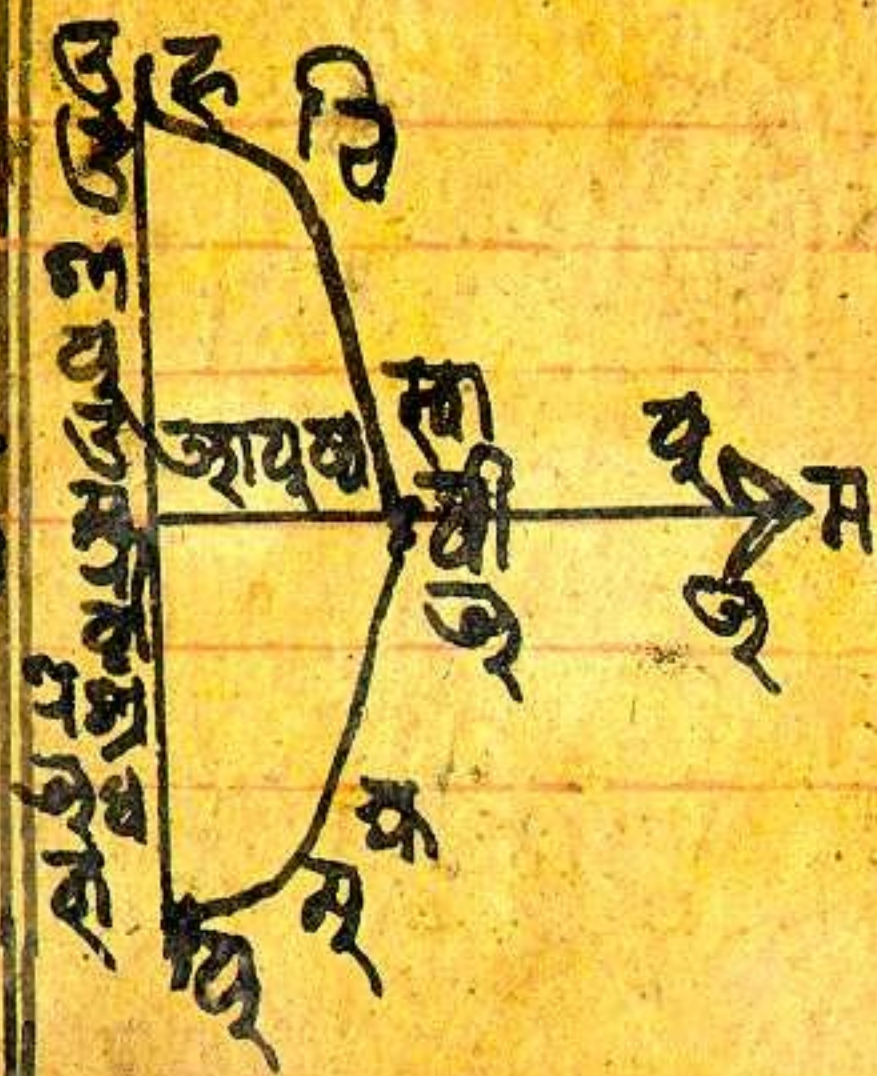
का

१७७७ समर्कभायीति, महिशवर्कथचवा नयथायाद्युषसिंदक
मृदिवकण्ठगजसह ॥ गुनैरादशासाग, वीणमार्सगनेष
नानाहविगतिमासाग, नासिनाचन
भवच ॥ ॥ ॥ उद्धगर्भुगिगुनाग, निलखागिर्यगभन ४४
नाथास्तिनकाभ, गृगयैगैगथेकन ॥ मध्वगिगुलद, लुध, रा
नूरादगिमलुलै, १७७७ चिचयदागवा, सवामार्गनसर्वदा ॥ नाम

योच, होमनाहचषष्ट, नारुथा, गम, गुथा, कात ४ मयमाः
 ननायकारुवत ॥ ॥ रूविदृषसूधनग्नि, मिथुनमकलेक
 जे-रिह, रुवनि, निष्प, कन्यायीवृधहा, कथो ॥ ननायाम
 सूनाचार्थ, नारुथा, गम, रुवदय ॥ ॥ गनक, नारुके, खाना, गधर
 गधेव, गुरु, ग्रहा, पात्रयुका, गुरुकु, न, कीनचनुन, त्येवच ॥ ॥
 वृदसंधा, वेसु, ग्येव, ग्रह, वान, चचनुमा, यरुसु, निदि, रा, ग्येव,
 गि, वच, कुरु, नैयथा ॥ चके, नधन, नारु, ह्या, न, दि, ति, य, नधन, कुरु,

हनियमे, नृसेयकि, चनू, र्थवा, धियि, ठीन, यरु, मी, कांचन, नारु,
 ॥ ॥ १ उमार्हाः, को, लि, ह्मा, र्हे, रु, ट ॥ धन ॥ १ कि, ना, ग्ये, र्हे, रु, त ॥ धरती, वि, च
 १ उका, न, वि, र्ज, व, सह, र्हे, रु, त ॥ मा, य, वि, क, य ॥
 १ उमार्हि, यि, य, रु, त ॥ सा, का, वि, क, य ॥ २ मालि, यि, न, र्हे, रु, त ॥ मा, य, म, त

रसनमूनरुतिमध्यावाधिज्जगुत्तथा
 वनेनगुनमध्यावाधिगंजायमद्विक्कसं
 सिद्धेधनकर्ये॥चायाद्विज्जयेसिद्धिं
 लोहलोहमादिगुण॥चायाध्याविकुर्ये
 रूगुनाधग्यविनिर्दिष्टं॥चायचक्रध
 य॥चक्रशागनसाय॥॥



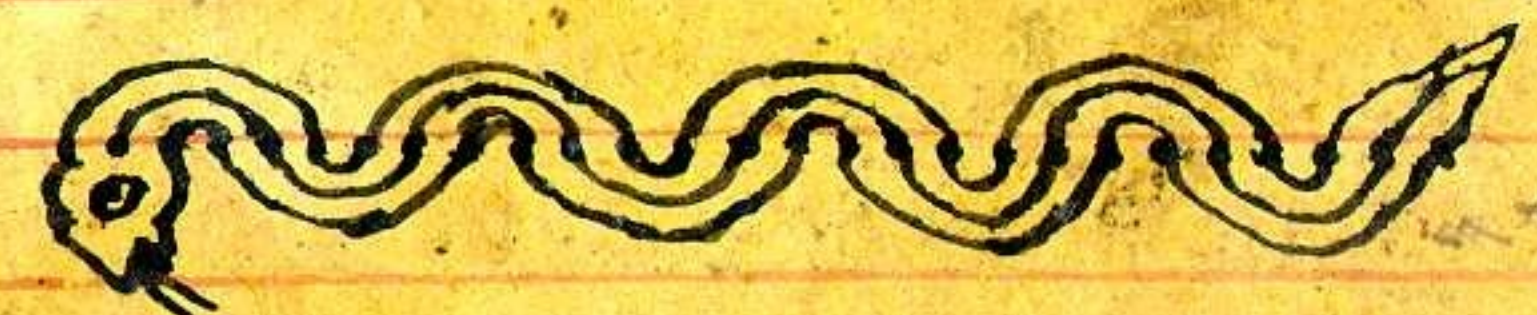
शवकुन्दसदृशीचकुं, त्रिगुणूलसमन्वितं
 मध्यादादगलान्तं, षट्पञ्चनवगुलकं॥
 मध्यागुलसमध्यासू, गणगुदकयादित
 ४गणवानगलान्तचकुं, यावदाधस्यननाह
 र्ये॥गुगमदूरुथामध्यायुधुहगममहा
 हवचानुरंगकषोकाठ, षट्पञ्चविंश
 यन॥गुगुनचक्रधय॥॥

ना	क	उ	उ
म	अध	मृचि	म
ज	यग	कला	ज
य	उय	जवि	य

१३६ नादियतिर्ह नि । सध नाति धन कर्यं ॥ १ ॥
 नादिगुह्यार्थं । नाति धव विधि ॥ २ ॥
 नित्येक नाति सीत्तिर्न ॥ ३ ॥
 सक्तिर्न । नस्या नस्य स्रुद्धं ॥ ४ ॥ नादि चक्र धय ॥

२ सिद्धि । सा धा ।
 स्रुद्धि । जनि ॥
 धय नान । वा दान साय ॥

०	म	३
वठ	कठ	गठ
७६		यगल
वेज	वूध	३५
ह	व	दग



१ युगिमाविनस्य चादो जनिगुह्यविनस्य । चाल कामासमध्वनस्य सुकल
 गुरुय ॥ यादया ॥ १ ॥
 लीष्टिगुह्यकनसत् ॥ २ ॥
 द ॥ ३ ॥
 यादस्य सुनविगुह्य । दहता सुनस्य ॥ ४ ॥
 सुहृद्ध ॥ ५ ॥
 विरुनाक्यस्य ॥ ६ ॥

लभविनासश्च कनकदन्त ४ सुसूतनयि ॥ चन्द्रविधरु नन्द वि. सूर्यपुत्रवि
 नचर ॥ गनिश्चनयाथकावदन् ॥ ॥ गनिश्चनया नकावयासाय
 थनूस्वाया ॥ कदलासय्य लभ ५ हिं गव. कनू. क. प्रा ४ ॥ नयासधाद
 वृग्वनया. महिगवया. य. य. ल. म. य ४ ॥ यान ४ सनाकान. गवत्या. य
 नदग. वनमापिव. म. गुरुय ४ ॥ खवनाहानसलानसा ४ सिमानकागिनि
 व. सितसूर्य. महिद ॥ उरुचि. स्वा. ॥ नूगनसनागन. यक्ष. गहागन.
 नायव. ४ ॥ कथसलानग ४ कथस्याकनायन. म. गुरुय ४ ॥ उरुसना
 मि



नसा. यिनिदयव ॥ चन्द्रि सनागन ४ मिता
 यानागसा. यनूखनय ४ ॥ सिकनयाकान
 सा. नाकायाकन. सीन्ना नाय ॥ नरुसर्ष
 नागसा. यनस्याकसागन. म. गुरुय
 ॥ नाहिग. नागसा. वेधनायन. म. गुरुय
 य ॥ गनिश्चनया नकावयाहिद महिद
 साय ॥ शुभ ॥